स.शि.प./जुलाइ ९९/२५०

बोचासणवासी श्री अक्षरपुरुषोत्तम स्वामिनारायण संस्था
सत्संग शिक्षण परीक्षा
सत्संग प्रवेश
प्रश्नपत्र – २

दोपहर २:०० से ४:१५] (रविवार, १८ जुलाई, ११९९) **कुल अंक : ७५**

सूचना : प्रश्न की दाहिनी तरफ उसके अंक दर्शाए गए हैं ।

(विभाग - १ किशोर सत्संग प्रवेश)

प्र. १. निम्नलिखित में से कोई भी दो अवतरण कौन, किससे और कब कहता है, यह लिखिए। ६

१. *''आप खाविंद स्वामी, आपकी गोद में बैठने का अवसर मिला यही मेरे मन चमत्कार है।''*
२. *''सबसे पहले उस प्यासे को पिलाओ।''*
३. *''विवाह तो अगली साल हो जायेगा, परन्तु क्या महाराज कभी फिरसे डभाण में यज्ञ करेंगे ?''*

प्र. २. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग १५ पंक्तियों में टिप्पणी लिखिए । ५

१. *माताजी।*
२. *बोचासण के काशीदास।*
३. *देवशयनी और प्रबोधिनी एकादशी।*

प्र. ३. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में दीजिए । ६

१. *श्रीजीमहाराज ने लाधीबाई की क्या कसौटी की थी ?*
२. *आपद् धर्म का अर्थ क्या है ?*
३. *राणा राजगर के दो भाईयों को दीक्षा देकर महाराज ने उनका नाम क्या रखा था ?*
४. *श्रीजी महाराज ने दूबली भट्ट से क्या भेंट पायी और गोपीनाथ देव का जयकार किया ?*
५. *वसन्तपंचमी के दिन किस किस का जन्म दिन आता है ?*

६. *श्रीजीमहाराज की माला के मोती समान कौन से भक्त थे ?*

प्र. ४. नीचे दी गयी ''स्वामी की बात'' पूर्ण कर के उसका विवरण लीखिए । ६

''किसी एक भक्त ने लाख स्वयों की ..... **अथवा**
''करोड रूपया खर्चे .....

प्र. ५. निम्नलिखित में से किन्हीं भी चार कीर्तन/अष्टक/श्लोक की शेष पंक्तियाँ लिखिए । ८

१. *आप प्रभु हो ..... अक्षर साथ लई।*
२. *प्रभु पद प्रगट ..... दु:खहारी।*
३. *प्रसंगमजरं ..... आवृत्तम्।*
४. *ब्रह्मादि सम्प्रार्थनया ..... नमामि*
५. *तुमारो तव हरिभक्त ..... राखियो पास।*
६. *छपैया पुर में ..... नीलकंठ नाम घरावता हो*

(विभाग - २ शास्त्रीजी महाराज)

प्र. ६. निम्नलिखित में से कोई भी दो अवतरण कौन, किससे और कब कहता है, यह लिखिए । ६

१. *''हमें ऐसा कुछ नहीं करना है, हमें तो साधु के धर्मानुसार अपमान सहन करके भी सत्संग कराना है।''*
२. *''यदि वे ग.म. २१ वे. वचनामृत को स्वीकार कर लें तो।''*
३. *''आप तो भगवान का भजन करने और करवाने के लिये आये हो।''*
४. *''यह तो आपके अंतर को शुद्ध करने का झाडू है।''*

प्र. ७. नीचे में से किसी एक विषय पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए । (लगभग १५ पंक्तियों में) ५

१. *ठाकरियो बिच्छू।*
२. *जूनागढ में सत्संगिजीवन की कथा।*
३. *उपासना-प्रवर्तन के लिये शास्त्रीजी महाराज ने सहन किया हुआ विरोध।*

प्र. ८. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में लिखिए । ६

१. *धर्मनिष्ठ को तथा ज्ञानी को कितने लोचन होते हैं ?*
२. *शास्त्रीजी महाराज ने किस साल और कौनसी तिथि में शास्त्री नारायणस्वरूपदास को प्रमुख बनाया ?*
३. *बोचासण मन्दिर की प्रतिष्ठा का वर्ष और तिथि बतलायें।*

४. *महिधर शास्त्री जब शास्त्रीजी महाराज को देखकर हँसे, तब रंगाचार्य ने उनसे क्या कहा था ?*

५. *हीराभाई को सत्संगी करने वाले यज्ञपुरुषदासजी के लिये कोठारी गोरधनभाई क्या बोले थे ?*

६. *वरताल संस्था को शास्त्रार्थ में पराजय देने आये हुए माधवतीर्थ को शास्त्रीजी महाराज ने क्या प्रत्युत्तर दिया ?*

प्र. ९. निम्नांकित में से किन्हीं दो पर लगभग १२ पंक्तियों में टिप्पणी लिखिए । ८

१. *वडताल मन्दिर से प्रस्थान।*

२. *शास्त्रीजी महाराज की विद्वत्ता।*

३. *सारंगपुर मंदिर में मूर्तिप्रतिष्ठा।*

४. *अडसठ तीर्थ संत के चरण में।*

प्र. १०. रिक्त स्थानों की पूर्ति किजिए । ४

१. *डुंगरभाई को ..... ने वर्तमान धारण करवाया था।*

२. *सारंगपुर में पत्थर सहित बाँधी हुइ छ रस्सियाँ टूटने पर ..... ने बाँध दिया।*

३. *शास्त्रीजी महाराज ने गढडा मन्दिर का खात मूहुर्त ..... के हाथों से कराया।*

४. *शास्त्रीजी महाराज ने चौथा मन्दिर ..... गाँव में निर्माण किया था।*

(विभाग – 3 'सत्संग प्रारंभ' परीक्षा की पुस्तकों के आधार पर)

प्र. ११. नीचे दिए गए सभी विषयों पर विस्तृत टिप्पणी लिखिए । १५

१. *मछलियों को पुन: जिवीत किया।* **अथवा** *अन्धे को दृष्टि प्रदान की।*

२. *योगीजी महाराज और युवक।* **अथवा** *नि:स्पृही संत योगीजी महाराज।*

३. *पूंजा डोडियो।* **अथवा** *गंगामा।*

* * *